MARJ-05

December - Examination 2017

M.A.(Final) Rajasthani Examination

प्राचीन अर मध्यकालीन राजस्थानी काव्य

Paper - MARJ-05

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 80**

निर्देश : औ प्रश्न – पत्र तीन खण्डां में नट्योड़ौ है। खण्ड 'अ' में साव छोटा सवाल, खण्ड 'ब' में छोटा सवाल अर खण्ड 'स' में निबन्धात्मक सवाल दियोड़ा है।

खण्ड – 'अ' **$8 \times 2 = 16$**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : इस खण्ड रा सगळां सवाल करणा जरूरी है। सबद सीमा अेक सबद, अेक वाक्य या अधिकतम सबद सीमा 30 सबद है।

1) (i) आधुनिक राजस्थानी काव्यधारा री विगत बतावो।

(ii) ईसरदास बारहठ री कोई दोय रचनावां रा नाम बतावो।

(iii) 'हँसावली' रचना रै रचनाकार रौ नाम लिखो।

(iv) 'ढोला मारू रा दूहा' रचना रै नायक रौ नाम बतावो।

(v) 'बीसलदेव रासो' रचना किण सैली री रचना है?

(vi) 'कान्हड़ दे प्रबन्ध' रचना रौ कथानक किण छैतर सूं सम्बन्ध राखै है?

(vii) 'रणमल्ल छंद' रौ अंगी काव्य रस कुणसौ है?

(viii) 'हाला झाला रा कुंडलियां' रचना किण सैली री रचना है?

खण्ड – ब **4 × 8 = 32**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : नीचै लिख्यां सवालां मांय सूं कोई चार सवाल रौ पडूत्तर दिराबो । सबद सीमा 200 सबद है।

2) जूनै राजस्थानी काव्य री प्रमुख प्रवृत्तियां नै उजागर करो।

3) 'ढ़ोला मारू रा दूहा' रचना री अैतिहासिकता सिद्ध करो।

4) 'बीसलदेव रासो' में चित्रित राजमती रै विरह बरणाव नै उदाहरण समैत समझावो।

5) 'कान्हड़ दे – प्रबन्ध' रौ कथासार आपरै सबदां में लिखो।

6) 'रणमहल छंद' अेक वीर रसात्मक अैतिहासिक खण्डकाव्य है'' इण कथन री पुस्टि करावो।

7) 'हाला झाला रा कुण्डलिया' रौ कथ्य स्पष्ट करो।

8) 'वेलि क्रिसन रूक्मणी री' रौ कला – पख स्पष्ट करो।

9) कुशललाभ री रचनावां में लोकतत्वां री विरोळ करो।

खण्ड – स **2 × 16 = 32**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : नीचै लिख्यां सवालां मांय सूं कोई दोय सवालां रौ पडूत्तर दिराबो । सबद सीमा 500 सबद है।

10) राजस्थानी प्रेमाख्यात काव्य परम्परा में 'ढ़ोला मारू रा दूहा' रौ स्थान निर्धारित करो।

11) 'बीसलदेव रासो' री प्रमाणिकता या अप्रमाणिकता नै उदाहरण साथै सिद्ध करो।

12) 'रणमहल छंद' काव्य रचना रै नायक रणमल्ल री चारित्रिक विसेसतावां नै उजागर करो।

13) नृहरिदास बारहठ रै भगती साहित्य पर अेक लेख लिखो।